१७: वीर कुवर सिंह

प्रश्नावली

<u>निबंध से</u>

प्रश्न 1. वीर कुँवर सिंह के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया?

प्रश्न 2. कुँवर सिंह को बचपन में किन कामों में मज़ा आता था? क्या उन्हें उन कामों से स्वतंत्रता सेनानी बनने में कुछ मदद मिली?

प्रश्न 3. सांप्रदायिक सदभाव में कुँवर सिंह की गहरी आस्था थी-पाठ के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए।

प्रश्न 4. पाठ के किन प्रसंगों से आपको पता चलता है कि कुँवर सिंह साहसी, उदार एवं स्वाभिमानी व्यक्ति थे?

प्रश्न 5.आमतौर पर मेले मनोरंजन, खरिद फ़रोख्त एवं मेलजोल के लिए होते हैं। वीर कुँवर सिंह ने मेले का उपयोग किस रूप में किया?

www.dreamtopper.in

<u>निबंध से आगे</u>

प्रश्न 1. सन 1857 के आंदोलन में भाग लेनेवाले किन्हीं चार सेनानियों पर दो-दो वाक्य लिखिए।

प्रश्न 2. सन 1857 के क्रांतिकारियों से संबंधित गीत विभिन्न भाषाओं और बोलियों में गाए जाते हैं। ऐसे कुछ गीतों को संकलित कीजिए।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. वीर कुँवर सिंह का पढ़ने के साथ-साथ कुश्ती और घुड़सवारी में अधिक मन लगता था। आपको पढ़ने के अलावा और किन-किन गतिविधियों या कामों में ख़ूब मज़ा आता है? लिखिए।

प्रश्न 2. सन 1857 में अगर आप 12 वर्ष के होते तो क्या करते? कल्पना करके लिखिए।

प्रश्न 3. अनुमान लगाइए, स्वाधीनता की योजना बनाने के लिए सोनपुर के मेले को क्यों चुना जगया होगा?

भाषा की बात

■ आप जानते हैं कि किसी शब्द को बहुवचन में प्रयोग करने पर उसकी वर्तनी में बदलाव आता है। जैसे-सेनानी एक व्यक्ति के लिए प्रयोग करते हैं और सेनानियों एक से अधिक के लिए। सेनानी शब्द की वर्तनी में बदलाव यह हुआ है कि अंत के वार्न 'नी' की मात्रा 'ी' (ई) से ह्रस्व 'ि' (इ) हो गई है।ऐसे शब्दों को, जिनके अंत में दीर्घ ईकार होता है, बहुवचन बनाने पर वह इंकार हो जाता है, यदि शब्द के अंत में ह्रस्व इकार होता है, तो उसमें परिवर्तन नहीं होता जैसे-दृष्टि से दृष्टियों।

- नीचे दिए गए शब्दों का वचन बदलिए-

www.dreamtopper.in

नीति.................. ज़िम्मेदारियों............ सलामी...............
स्थिति............... स्वाभिमानियों............ गोली...............

www.dreamtopper.in

उत्तर

<u>निबंध से</u>

उत्तर 1: वीर कुँवर सिंह के व्यक्तित्व की बहादुरी, साहसी होना, बुधिमान, चतुर, उदार, सांप्रदायिक से मैं प्रभावित हूँ।

उत्तर 2: कुँवर सिंह को बचपन में अन्य कार्यों से मज़ा आता था जैसे घुड़सवारी, तलवारबाज़ी और कुश्ती लड़ने से।हाँ, उनको इन कामों से स्वतंत्रता सेनानी बनने में बहुत मदद मिली।

उत्तर 3: सांप्रदायिक सदभाव में कुँवर सिंह की गहरी आस्था थी जैसे उनके सेना में धर्म के आधार पर नहीं बल्कि कार्यकुशलता और वीरता के कारण सैनिकों को उच्च पद पर रखा जाता था उदाहरण इब्राहिम खान और किफ़ायत हुसैन। उनके राज्य में सभी त्योहार एक साथ मनाए जाते थे, उन्होंने पाठशाला बनाई सभी के लिए और मकताबें भी बनवाई साथ में।

उत्तर 4: वह साहसी बचपन से ही थे, उनके बचपन के शोक से यह जानना आसान हैं। उन्हें उदार मनुष्य कहना उचित होगा क्योंकि उन्होंने सभी के लिए स्कूल, रास्ते, तालाबें बनवाई और किसी के साथ भेद-भाव नहीं किया। वह स्वाभिमानी थे, वह भूढ़े शूरविर की अवस्था में भी युद्ध के लिए तत्पर हो गए।

उत्तर 5: मेले मनोरंजन खरिद फ़रोख्त एवं मेलजोल के लिए हैं, मगर वीर कुँवर सिंह ने मेले को अपनी गुप्त बैठकों की योजना के लिए चुना।

www.dreamtopper.in

निबंध से आगे

उत्तर 1: सन 1857 के आंदोलन में भाग लिए चार सेनानियों के नाम-

मंगल पांडे: वह एक सिपाही थे, वह बेंगॉल आर्मी में शामिल थे। एक बार उन्होंने दूसरे सिपाहियों का आत्मबल बदने के लिए कहा था 'बाहर आओ - अंग्रेज़ यहाँ हैं'।

नाना साहेब: उन्होंने कानपुर के कलेक्टर चार्ल्ज़ हिल्लेरसदों का विश्वास जीता था कि वह सिपाहियों को लेकर आएँगे उनकी रक्षा के लिए। मगर जब वह अंदर घुसे अपने 1,500 सिपाहियों के साथ उन्होंने आक्रमण बोल दिया था उनके ख़िलाफ़।

रानी लक्ष्मीबाई: 'झाँसी की रानी' उनकी ज़िंदगी में काफ़ी चुनोटियों का सामना किया उन्होंने। उन्होंने उनके साथ अन्य महिलाओं को विश्वास दिलाया कि वह भी वीर हो सकती हैं।

तत्या टोप: इनको सन 1857 जून के महीने के बाद उनको पेशवा घोषित किया गया था। उन्होंने रानी लक्ष्मी बाई कि भी बहुत मदद की।

उत्तर 2: सन 1857 के क्रांतिकारियों से संबंधित एक भोजपुरी गीत-

"अब छोड़ रे फिरंगिया! हमारा डेस्वा लूटपाट केले तहँ, मजवा उड़ेले कैलस, देस पर जुल्म ज़ोर।"

अनुमान और कल्पना

www.dreamtopper.in

उत्ता 1: छात्र स्वयं करें।

उत्तर 2: छात्र स्वयं करें।

उत्तर 3: स्वाधीनता की योजना बनाने के लिए सोनपुर के मेले को इसलिए चुना गया होगा क्योंकि वहाँ लोग एकत्र होकर क्रांति के बारे में योजना बनते थे।

<u>भाषा की बात</u>

नीति- नीतियाँ

ज़िम्मेदारियों- ज़िम्मेदारी

सलामी- सलामियाँ

स्थिति- स्थितियाँ

स्वाभिमानियों- स्वाभिमानी

गोली- गोलियाँ

www.dreamtopper.in